Vol. - 5
31 December - 2022

बचपन और रेलगाड़ी

अनुक्रम

☞ निदेशक संदेश
☞ अनुसंधान एवं अध्ययन अधिकारी ब्लाग
☞ अखबारी पन्नो से
☞ सेफ सोसाइटी की गतिविधिया
☞ केस स्टडी
☞ हमारे संबल
☞ सेफ चाइल्ड राइट्स प्रोजेक्ट टीम
☞ दृष्टिकोण

निदेशक की कलम से...

निदेशक
विश्व वैभव शर्मा
सेफ सोसाइटी, गोरखपुर

वह कहते है ना "पेट की भूख ने जिन्दगी को हर रंग दिखा दिए, जो अपना बोझ न उठा पाए पेट की भूख ने उस से पत्थर उठवा दिए।"

रेलगाड़ी पर तो आम–तौर पर हम सबने सफर किया है, पर क्या कभी हमारा ध्यान उन बच्चों पर भी गया हैं जो पटरियों तथा ट्रेनो में पानी की बोतले उठाते है जो स्टेशन पर गुटखा बेचते है तथा भीख मांगकर अपना जीवन यापन करते है। ऐसे तमाम परिवार जिनके पास रहने के लिए छत तक नहीं है, जो अपना पूरा जीवन स्टेशन एवं फुटपाथ पर ही बीता देते है। जिस उम्र में हम और आप अपना बचपन बड़े खुशहाली से जीते है उस उम्र में कुछ बच्चे खाने तक को मोहताज रहते है। उन्हें खाने के लिए पहले पैसे जुटाने पड़ते हैं, उसके लिए वे पानी की बोतले बेचते है, कबाड़ बीनते हैं भीख माँगते है अथवा छोटे–छोटे अपराध करने पर मजबूर हो जाते है। भूखमरी व अशिक्षा के कारण नशा, चोरी, मानसिक तनाव और व्यभिचार जैसी अनेक बुराइयों के तरफ अग्रसर हो यह बच्चे समाज के मुख्य धारा से दूर, ऐसे बच्चों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने लिए सेफ सोसाइटी पिछ्ले 15 वर्षो से अग्रसर है। संस्था की नजरों से देखे तो, हम यहाँ दो जिन्दगीयाँ देखेंगे, शायद इन दो जिन्दगीयों के बीच का फर्क लोग नहीं निकाल पाते हैं। यहां कुछ बच्चों के सर पर किताबों का बोझ है, तो वहीं एक दुनिया ऐसी भी है, जहां कुछ बच्चों के सर पर कूड़े के थैले का बोझ है। कुलीन और मलिन जीवन में बड़ा अंतर होता है।

यह संस्था वंचित एवं पिछड़े बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा, सोशल इमोश्नल लर्निंग एवं आर्ट बेस्ड प्रक्रिया के माध्यम से मनोवैज्ञानिक ट्रामा को दूर कर रही है तथा सेफ्टी नेट के माध्यम से गायब हो चुके बच्चों को अपने परिवारों से पुनः एकीकरण करा रही है। इसके साथ साथ केंद्रीय एवं राज्य सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं मे पंजीकृत करवाना संस्थान की मुख्य गतिविधियों में सम्मिलित है। अब तक संस्था ने गोरखपुर के बालश्रम करने वाले बच्चों के परिवारों को केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के योजनाओ के अन्तर्गत ई–श्रम कार्ड, बी.ओ.सी.डब्लू. कार्ड, बाल श्रमिक विद्या योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनाओं व आधार कार्ड से जोड़ चुकी है।

अनुसंधान एवं अध्ययन अधिकारी ब्लाग

ब्रजेश चतुर्वेदी
प्रोग्राम मैनेजर (चाइल्ड प्रोजेक्ट)

सेफ सोसाइटी द्वारा पिछले आठ वर्षों की यात्रा में सड़क व रेलवे स्टेशन पर गुजर–बसर करने वाले बच्चों के लिए सुरक्षा तंत्र पुनःसशक्त करने के संदर्भ में, इस वैश्विक समस्या के बहुत से पहलुओं पर कार्य किया गया। विभिन्न दाता संस्थाओं के सहयोग से चल रहे कार्यक्रम का किरण केन्द्र पिछले सात वर्षों से बच्चों के सर्वांगीण विकास, उनके घर से भाग जाने/भटकने के मूल कारणों एवं उनके समाधानों पर केन्द्रित रहा। बच्चों को उनके परिवारों से वापस मिलाना, उनके घर से भाग जाने के कारणों पर शोध, उनके परिवारों के परिस्थितियों का आंकलन जैसी गतिविधियों तो जारी ही रही, चिकित्सा शिविर, कला प्रदर्शनी, अनौपचारिक, फिल्म निर्माण (Social Documentary), सामाजिक विधिक संकलन पुस्तक लेखन– ''अविशिष्ट बचपन''– जे0जे0 एक्ट प्रशिक्षण इत्यादि गतिविधिया करायी गयी। शोध के द्वारा निकले परिणामों से अनेक रणनीतियाँ बनायी गयी, एवं बच्चों के मानसिक व सामाजिक विकास के लिए कला आधारित प्रक्रियायें (ABP), योग व मेडिटेसन, खेल–खेल में सिखाना, बाल संसद इत्यादि गतिविधियाँ जारी रहीं। परियोजना के आरम्भ अप्रैल 2015 से अब तक हम लोगों ने 900 बच्चों का बचाव व उनके परिवारो से उनका पुनर्वास हो चुका है। हमारे आंकलन के अनुसार बच्चों के घर से भागने का मुख्य कारण अभिभावको द्वारा बच्चों के लालन–पालन के ठीक तौर तरीके का न होना है।

ट्रैफिकिंग स्थानों का प्रतिशत

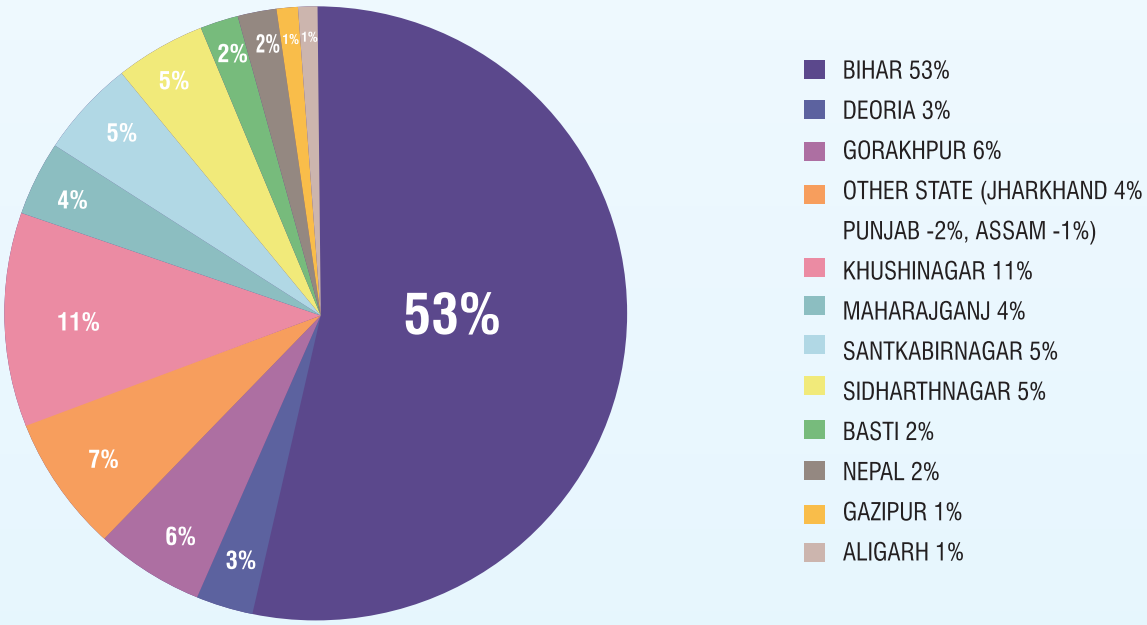

अब हमारा घर से बच्चों के भाग जाने के कारणों पर शोध एवं उनके उचित समाधनो को ढूढना एवं उनका असर का आंकलन समाप्त हो चूका है। अब हम बच्चों को केन्द्रीत करते हुये समुदाय आधारित सर्वांगीण विकास की गतिविधियो पर कार्य कर रहे है। जिससे समुदाय अपने बच्चों की उचित देख–भाल एवं लालन–पालन में सक्षम हो सके ।

अखबारी पन्नों से

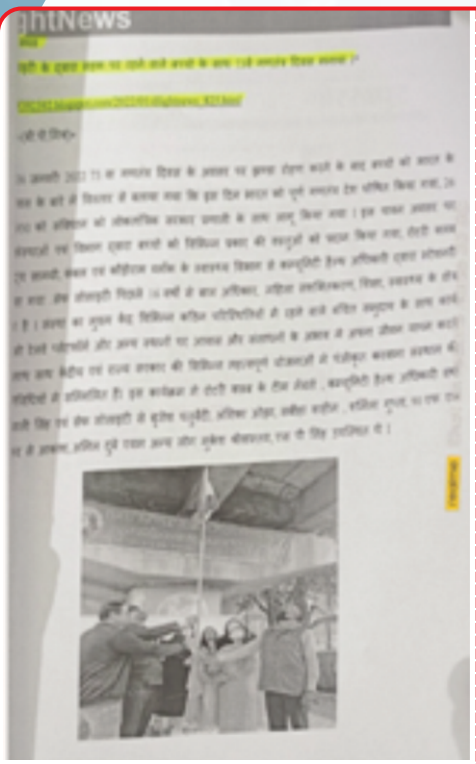

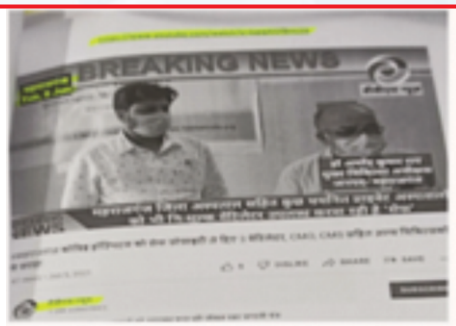

सफाई कर्मियों को वितरण किया गया पी.पी.ई. किट

अपना शहर

सेफ सोसायटी और रेलवे यांत्रिक विभाग के स्वास्थ्य शिविर में देखे गए मरीज

सेफ सोसाइटी ने वितरित किया श्रमिकों को पंजीकरण कार्ड

स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता जरूरी-अंजू चौधरी

दुकानों पर लगेगा बाल श्रम मुक्त प्रतिष्ठान का बोर्ड

'मैं गुब्बारे बेचता हूं, लेकिन मैं पढ़ना चाहता हूं'

जागरण

डाउन ने खोली किस्मत की 'लाक', स्टेशन छूटा तो संवरने लगी जिंद

च्चों की मनोदशा पढ़ संवार रहे भविष्

सेफ सोसाइटी संस्थान द्वारा एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सेफ सोसाइटी की गतिविधियाँ

सेफ सोसाइटी द्वारा रेलवे स्टेशन के पास गुजराती स्लम और राजस्थानी स्लम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रेलवे स्टेशन के आस पास के स्लम के 200 परिवारों का अनुभवी चिकित्सको के द्वारा इलाज कराया गया व दवा वितरण, टीकाकरण किया गया।

COVID-19 RELIF

COOKED MEALS

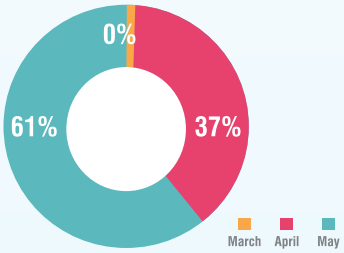

6700 मजदूरों को भोजन का वितरण।

STATIONARY

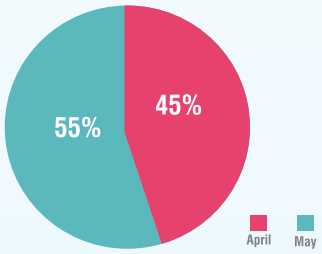

बच्चों की शिक्षा बाध्य न हो इसके लिए 200 बच्चों को स्टेशनरी का सामान उपलब्ध कराया गया

Covid - 19 Relief Data 2020

ONE MONTH DRY RATION KITS

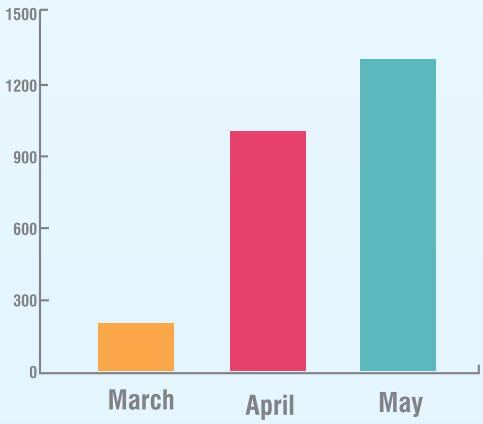

Covid-19 की पहली लहर के दौरान सेफ सोसाइटी के द्वारा 1500 राशन किट वितरण

3000 सेनिटेसन किट और 500 सेनीटाइजर का वितरण

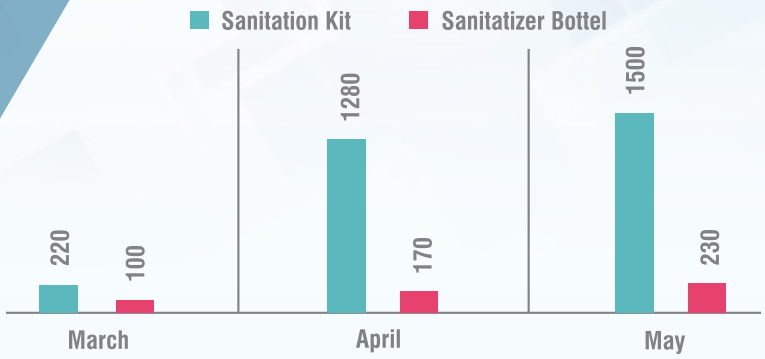

SANITARY PAD DISTRIBUTION

पैनडमिक के दौरान महिलाओं के स्वास्थ संबन्धित सुरक्षा को ध्यान रखते हुए 2000 सैनिटेरी पैड का वितरण

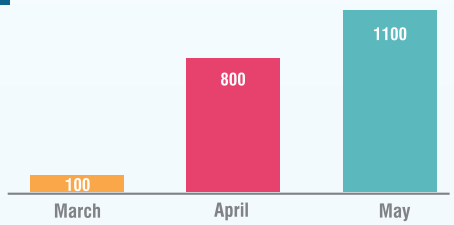

READYMADE NUTRITIOUS SNACKS

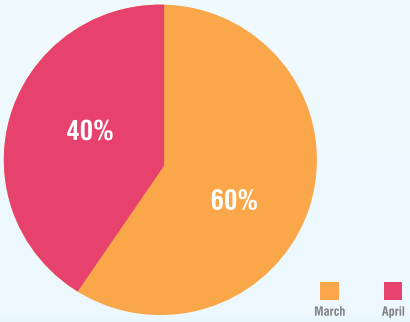

1500 बच्चों को स्नैक्स का वितरण

Covid - 19 Relief Data 2021

कोविड के दूसरी लहर के दौरान सेफ सोसाइटी द्वारा दिया गया चिकित्सा सपोर्ट

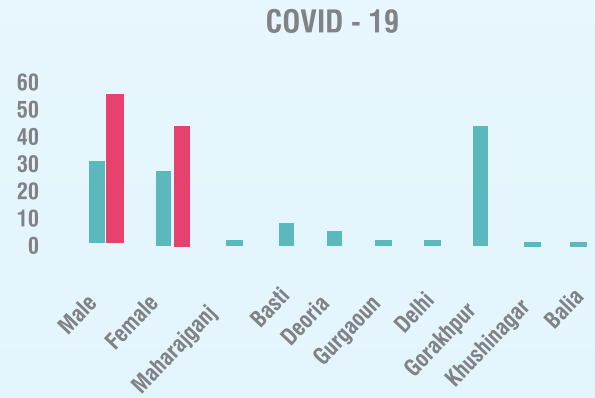

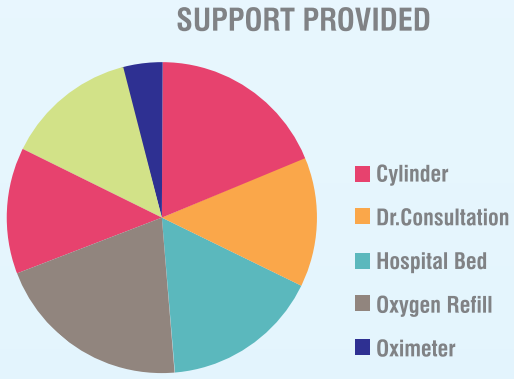

बच्चो की रेडीयो की गतिविधियां

(Loudspekaer 90 FM)

Loudspeaker 90 FM सेफ सोसाइटी का कम्यूनिटी रेडियोविंग है, जिसमें स्लम के बच्चे आते है और वो जूनियर आर.जे. के प्रशिक्षण लेते है और समाज मे पैदा होने वाली समस्याओं व अन्य मुद्दों पे लोगों को जागरूक करते है ।

Loudspeaker 90 FM में और भी कार्यक्रम आयोजन होते है जैसे कि समूह में बैठकों का आयोजन, One To One बात चीत,बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिलाओं और अन्य कई हित धारकों जैसे मीडिया पर्सन, CWC, JJB सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र, आदि के कार्यक्रम ।

जे० जे० एक्ट प्रशिक्षण

किशोर न्याय कानून के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी लोगो को होना आवश्यक हैं। जिम्मेदार पदों पर रहने वाले लोगों के प्रशिक्षण की महती आवश्यकता देखते हुए सेफ सोसाइटी ने जीआरपी पुलिस तथा आर.पी. एफ. पुलिस, रेलवे अधिकारीयों तथा मिडिया के साथ समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बच्चों के भागने की घटनाओं को लेकर जब सेफ सोसाइटी ने अपनी पड़ताल शुरू किया तो यह महसूस किया कि सिविल पुलिस और थानों पर बाल कल्याण अधिकारी, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड का प्रशिक्षण जे.जे. एक्ट में होना बहुत जरूरी हैं। जिले स्तर पर सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारी का तीन दिवसीय एवं एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, पुलिस अधीक्षक (अपराध) श्री अशोक कुमार वर्मा, डा. एम0 एल0 गुप्ता सदस्य बाल कल्याण समिति गोरखपुर, किशोर न्याय बोर्ड चयन समिति के पूर्व सदस्य डॉ. ओंकार नाथ तिवारी, हाई कोर्ट वकील–आलिमा जैदी व सेफ सोसाइटी के सदस्य उपस्थित रहे।

कला आधारित प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण

ABP एक ऐसी प्रक्रिया हैं जिसके माध्यम से बच्चों की आन्तरिक भावनाओं से अवगत हुआ जाता हैं। इसके लगातार प्रयास से नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर बच्चों को बड़े सहज भाव से ले जाए जाने का प्रयास किया जाता हैं। फुटपाथ के किनारे जीवन बसर करने वाले बच्चों के साथ यह विधि बहुत कारगर हुई हैं। इसमें खेल–कूद, अभिनय, हास–परिहास, वाद–संवाद, रंग–भाव सभी का क्रमिक मिश्रण किया जाता हैं। सेफ सोसाइटी द्वारा इन बच्चों पर ABP का प्रयोग काफी सफल रहा हैं। सेफ सोसाइटी ने ABP थेरिपी के विशेषज्ञों द्वारा बीते वर्षो में दस बार अपने सदस्यों को प्रशिक्षित किया, जिससे कि हमारे सदस्य इस विधि को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु अच्छी तरह से प्रयोग कर पायें। संस्था द्वारा अब तक 500 बच्चों के साथ इस प्रक्रिया का किया गया जिसका बहुत ही शानदार असर रहा।

Social Emotional Learning (SEL)

SEL में अलग अलग गतिविधियों के माध्यम से हम बच्चों के अंदर की भावनाओं को समाज से जोड़ने की कोशिश करते हैं और उनकी छुपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालते हैं।

आजीविका समर्थन (Livelihood Support)

आजीविका समर्थन में संस्था बच्चों के अभिभावकों को आर्थिक तौर पर मदद करती है ताकि वह खुद का रोजगार स्थापित कर सके, अभी तक 57 परिवारों को सहयोग दिया गया। जिससे अब वह परिवार अपने जीवन यापन सुधार करके मासिक 5000 से अधिक की आय कमा रही है।

''अविशिष्ट बचपन'' पुस्तक प्रकाशित

सभी हित धारकों के लिए एक संसाधन दस्तावेज के रूप में"अविशिष्ट बचपन" नामक पुस्तक प्रकाशित किया गया है यह पुस्तक बालक के सही परिदृश्य के बारे में पाठकों को जागरूक करती है और वर्तमान परिदृश्य में उनकी भूमिका को खोजने के लिए विभिन्न प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए उन्हें छोड़ देती है।

सेफ बाल गुरूकुल

सेफ बाल गुरुकुल अन्य स्कूली शिक्षा प्रणाली से भिन्न स्कूल है, जहां पहली पीढ़ी के शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों को खेल व अन्य गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा प्रदान की जाती है, इसके साथ ही साथ बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने व उन्हें मंच देने का कार्य भी किया जाता रहा है। बाल गुरुकुल केन्द्र बिहार के रामनगरी, बगहा एवं उत्तर प्रदेश के साधामऊ, बाराबंकी, और गोरखपुर में संचालित किया जा रहा है। जिससे बच्चों में परिवर्तन धीरे–धीरे दिख रहा है और बच्चे अब मुख्यधारा में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं।

रामनगरी | साधामऊ | बाराबंकी | गोरखपुर | बगहा

अभिसरण (Convergence)

सेफ सोसाइटी के द्वारा स्लम एवं सड़क पे रहने वाले बिछड़े एवं भटके बच्चों और उनके परिवार को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया। जिसके अंतर्गत 400 लोगों को ई–श्रम कार्ड बनवाया गया। 50 लोग का बी.ओ.सी. कार्ड बनवाया गया। बाल श्रमिक विद्या योजना से 81 लोगों को जोड़ा गया। सड़क पे रहने वाले 100 बच्चों का आधार कार्ड बनवाया गया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 15 लोगों को 10000 रूपये का लोन दिलाया गया ताकि वो अपना रोजगार शुरू कर सके।

अनौपचारिक शिक्षा (Non-Formal Education)

सेफ सोसाइटी के सदस्य स्लम में रहने वाले और बिछड़े एवं भटके बच्चों को उन्हीं के क्षेत्र में फन विथ लर्न के द्वारा अनौपचारिक शिक्षा देते है जिससे उन्हें पढ़ाई में रुचि भी रहती है और खेल–खेल में वो बहुत कुछ सीख भी जाते है।

जन्म दिन व महत्वपूर्ण दिवसों का उत्सव

शहर के माने–जाने जागरूक नागरिक अपने बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए सेफ सोसाइटी के पहल पर स्टेशन, सेंटर पर आकर सड़क किनारे गुजर–बसर कर रहे अनाथ बच्चों के साथ उन्हे अपनेपन का एहसास कराते हैं। उस दिन इन बच्चों के साथ सभी लोग एक साथ भोजन करते व उपहार प्रदान करते है। कई ऐसी संस्था है जो बच्चों से अपनी संस्था या किसी कार्यक्रम का उद्घाटन भी कराते है। यह अनूठी पहल सड़क के बच्चों को मुख्य धारा के बच्चों से जोड़कर भेद भाव की बड़ी खाई को भरने के लिए प्रयासरत है। राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय दिवसो को मनाया जाता है। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय दिवसो को बच्चों ने गणमान्य लोगो के साथ मनाया।

सामूहिक हित धारक बैठक

बाल संरक्षण अधिकारी, जिला स्तरीय पुलिस ईकाई, एस0पी0 क्राइम, बाल संरक्षण समिति, विभिन्न शेल्टर होम, यूनिसेफ व संबन्धित विभागों के साथ ए0एच0टी0यू0 व एस0जे0पी0यू0 की मासिक एवं डी0सी0पी0यू0 की मासिक बैठक होती है, जहाँ पर बच्चों के संरक्षण व विकास के लिए रणनीति बनाकर एडवोकेसी की जाती है। सेफ सोसाईटी के द्वारा इन बैठक में नियमित प्रतिभाग एवं योगदान किया जाता है।

सीडब्ल्यूसी, जे.जे.बी. नव नियुक्त सदस्यों के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम

रैडिसन ब्लू के सहयोग से सेफ सोसाइटी द्वारा नव वर्षो के लिए नियुक्त बाल कल्याण समिति व किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों को बच्चों के साथ काम करने व उनकी संरक्षण प्रक्रिया के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम किया गया, जिसमें सात जिलों (गोरखपुर, महराजगंज, संत कबीर, बस्ती, देवरिया, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर) के सदस्य शामिल हुए, और बड़े–बड़े विशेषज्ञ ने प्रशिक्षण दिया।

बाल श्रम सर्वेक्षण

श्रम विभाग गोरखपुर के सहयोग से गोरखपुर के 28 वार्डो में बाल श्रम सर्वेक्षण किया गया। जिसमें बाल श्रमिक, विद्यालय में नान इनरोलमेंट व विद्यालय को छोड़े हुए बच्चे पाये गए, जिसमें अब उन बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है।

विभिन्न वेबिनार में भागीदारी

सेफ सोसाइटी ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय वेबिनार मे प्रतिभाग किया एवं स्वयं भी कई वेबिनार को संचालित किया ।

कार्यक्रम प्रबंधक की वार्त्तायें

श्री ब्रजेश चतुर्वेदी ने ग्लोबल ड्रीम की डी–टॉक शृंख्ला में ''मूल साक्षरता कौशल के माध्यम से स्कूली बच्चों को मुख्य धारा में लाना'' विषय पर बात की है। विभिन्न संबंधित विषयों पर यूनिसेफ के साथ–साथ आली, महिला कल्याण विभाग जैसी टीम के साथ कई अन्य वेबिनार में भी भाग लिया एवं कुछ वेबिनार का संचालन किया।

स्वयं सहायता समूह व संयुक्त देयता समूह

इन समूहों का गठन किया गया जिससे उनके रोज की आमदनी की बचत हो सके और आने वाले समय के कठिनाइयों की सामना न करना पडे।

बाल केन्द्रीत समुदाय विकास गतिविधिया-

हम बाल केन्द्रीत समुदाय आधारित सर्वांगीण विकास की गतिविधिया सेफ अन्त्योदय केन्द्र के माध्यम से कार्य कर रहे है जैसे अनौपचारिक शिक्षा के उपरांत बच्चों को विद्यालय से जोड़ना, खेल–खेल में सीखना, आर्ट बेस प्रोसेस (ABP), एवं कौशल विकास इत्यादि।

CASE STORY-1

राजू की उड़ान

एक लड़का जिसका नाम राजू (परिवर्तित नाम) है, उसकी उम्र 9 वर्ष है। वह गोरखपुर रेलवे स्टेशन के फुटपाथ पर अपनी माँ के साथ रहता था। वह दिन में गुब्बारे बेचता था और उसकी मां भीख मांगती थी। इस प्रकार दोनों अपना जीवन यापन करते थे। एक दिन सेफ सोसाइटी के कुछ सदस्य उसकी मां के पास गए और उन्होंने राजू की पढ़ाई–लिखाई के बारे में पूछा और उसे पढ़ने के लिए कहा। उस पर उसकी माँ ने टीम के सदस्यों के साथ अभद्र व्यवहार किया परन्तु टीम के सदस्यों ने अपना धैर्य बनाए रखा और उसकी मां के शांत हो जाने पर उनकी विपरीत परिस्थितियों के बारे में प्रश्न किया, इस पर वह रोने लगी, सदस्यों ने उन्हे ढांढस दिया और चुप होने पर उसने बताया कि वह बिहार की रहने वाली है। उनका बड़ा बेटा भी है, जिसे उन्होंने पढ़ाया लिखाया और उसका विवाह किया परन्तु विवाह होने के बाद उसने माँ बेटे को घर से निकाल दिया। वह विवश होकर गोरखपुर आ गई। सदस्यों ने उन्हें समझाया कि शिक्षा प्राप्त करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। वह शिक्षित होकर आपके और समाज के लिए हितकारक हो सकता है। सदस्यों के द्वारा प्रेरित करने पर उन्होंने राजू को सेंटर भेजना स्वीकार कर लिया। सेफ सोसाइटी के सदस्यों की प्रेरणा से अब राजू सुबह सेफ अंन्त्योदय सेंटर जाकर पढ़ाई करता है व अन्य गतिविधियों में भाग लेने से उसके व्यक्तिव का विकास हो रहा है ।

CASE STORY-2

मुस्कान की घर वापसी

एक 16 वर्षीय किशोरी जिसका नाम मुस्कान (परिवर्तित नाम) गोरखपुर के रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर 1 के यात्री आरक्षण में एक महिला के पास बैठी मिली। उसने अपना चेहरा दुपट्टे से ढककर रखा था, वह देखने मे परेशान लग रही थी। उसे देख कर ऐसा लग रहा था कि वह घर से भाग कर आई है, सेफ सोसाइटी के सदस्यों ने उससे बात करने की कोशिश कि तो वह बात नहीं कर रही थी, बहुत पूछने पर उसने अपना नाम और घर का पता बताया, उसने यह भी बताया कि वह यहाँ कैसे आई उसे कुछ भी याद नही है। वह खड्डा की रहने वाली थी। खेत में मजदूरी करके के अपना घर चलाती थी, उसे कोई महिला खेत से ही कोई नशीला पदार्थ सूंघाकर यहाँ लायी थी ताकि वह उसका अवैध रुप से व्यापार (तस्करी) कर सके। मुस्कान को अपने घर के किसी सदस्य का फोन नंबर भी याद नहीं था, उसने अपनी एक सहेली का नंबर बताया उसकी सहेली की मदद से मुस्कान के घर का नंबर मिला, फिर उसके घर पर बात हो पाई। उसके घर वालो से आधार कार्ड और फोटो साथ लेकर आने को बोला गया। मुस्कान को सेफ सोसाइटी के सदस्यों ने चाइल्ड लाइन भेज दिया। अगले दिन मुस्कान सुरक्षित अपने घर पहुंचा दी गई।

''अन्त्योदय'' सर्वश्रेष्ठ गतिविधियों में सेफ की गतिविधि शामिल

इण्डियन सोशल रिस्पांसबिलिटी नेटवर्क (ISRN) संस्था द्वारा भारत में समाज सेवा के क्षेत्र में अन्तिम व्यक्ति तक सेवाओं और योजनाओं को पहुचाने वाले सामाजिक संगठनों के उत्कृष्ट कार्य व व्यवहार का एक शोध संकलन भारत सरकार के संस्कृतिक मंत्रालय के सहयोग से "द विजन ऑफ अन्त्योदय" प्रकाशित किया गया। पुस्तक का विमोचन भारत के महा महिम उप–राष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडू द्वारा 12 फरवरी, 2020 को उनके आवास सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉल में किया गया। इस अवसर पर राज्य सभा सदस्य तथा आई0सी0सी0आर0 के अध्यक्ष डॉ0 विनय सहस्त्र बुद्धे व पुस्तक के संपादक संतोष गुप्ता सहित भारत के 150 समाज सेवी इस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। देश भर से उन संस्थाओं का इस पुस्तक में चयन किया गया जो प्रसिद्ध विचारक, दार्शनिक विद्वान पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय अर्थात ''अन्तिम व्यक्ति का उत्थान" सिद्वान्त पर आधारित कार्य कर रहे हैं। सतत् विकास की प्रक्रिया अपनाने वाले संस्थाओं तथा उनके नेतृत्व जिन्होने देश व समाज के विकास में अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए सरकार व समुदाय को मजबूत किया, जिसे देश के विभिन्न हिस्सों में शोधार्थियों ने अपने मानक पर खरा पाते हुए इस पुस्तक में स्थान दिया। ''द विजन आफ अन्त्योदय'' के पेज संख्या 122, 23 पर सेफ सोसाइटी द्वारा आर्ट बेस्ड थेरिपी के माध्यम से सड़क पर गुजर–बसर कर रहे बच्चों का मानसिक, सामाजिक परिवर्तन करने का प्रयास तथा उनके द्वारा रोजमर्रा के कार्यों में ही रोजगार ढूढ़ने के प्रयासो का उल्लेख किया गया हैं। फुटपाथ के बच्चों के समुदाय में जो परिवर्तन संस्था के प्रयास से हुआ उसमें बच्चों की रूचि कबाड़ से बोतल चुनकर उन्हें खूबसूरत क्राफ्ट बनाने की ओर मुड़ी साथ ही वर्षो से नशे की लत में फँसे लगभग 100 किशोर, बच्चों में से 60 बच्चों को आर्ट बेस्ड प्रासेस के निरंतर प्रयास से नशा मुक्त किया गया।

संसाधन विहीन बच्चों ने बनाई प्ररेणादायक 'मूवी'

सेफ सोसाइटी ने फ्राँस की टीम के टेक्निकल सहयोग से 02 लघु फिल्म का प्रोडक्शन किया है। एक फिल्म समाज में बाल मजदूरी तथा दूसरी फिल्म बाल तस्करी के कारणों व इसके साधन के साथ ही वर्तमान परिदृश्य पर सोचने को मजबूर करती हैं। फिल्म के बाल कलाकार किसी तरह के प्रशिक्षित कलाकार नही हैं, यह सभी सड़क पर गुजर–बसर करने वाले या सुदूर गाँव के किसी संसाधन विहीन समुदाय से आते हैं। उपरोक्त फिल्म को विश्व की सर्वश्रेष्ठ सामाजिक फिल्म (प्रशंसक वर्ग) सहित अनेको राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है।

हमारे संबल

रवि किशन शुक्ला
सांसद, गोरखपुर

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि सेफ सोसाइटी की चाइल्ड राइट्स टीम ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से पिछले अनेक वर्षो से बाल अधिकार एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की है। संस्था कठिन परिस्थितियों में रहने वाले वंचित समुदाय के लिए कार्य करती है, जो झुग्गी झोपड़ी और अन्य स्थानों पर आवास और संसाधनों के अभाव में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। संस्था द्वारा एक सेफ्टिनेट बनाया गया है जिसमें अपने घर से भटके एवं बिछड़े हुए बच्चों को स्टेशन पर रह रहे स्टेक होल्डर्स के द्वारा सम्बंधित सरकारी विभागों के साथ मिलकर उनके परिवारों से पुनः एकीकरण करके उन्हें सुरक्षा प्रदान किया जा रहा है।

मैं इस कार्य के लिए सेफ सोसाइटी की चाइल्ड राइट्स टीम की सराहना करता हूँ और संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। बाबा गोरखनाथ की कृपा आप सब पर सदैव बनी रहे।

शुभकामनाओं सहित ।

हार्दिक बधाई देना चाहूंगी ''सेफ सोसाइटी'' के आयोजक व सदस्यों को उनके सोच पर ! बच्चों को हम भगवान का रूप मानते है और फिर, वो ही तो हमारे देश के भविष्य है। उन्हें सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है और यही कर रहा है ''सेफ सोसाइटी'' । जहाँ सबका साथ, सबका प्रयास, सबका विश्वास और सबका विकास देश का एक ऐसा नारा है जो किसी तरह का भेदभाव नहीं रखता है। गरीब, अमीर, बच्चे, बुजुर्ग, लड़का, लड़की, जाति-पाति व धर्म आदि पर हर भारतीय का अधिकार है। ''सेफ सोसाइटी'' के लगभग चार बड़े कार्यक्रमों में शामिल हुई हूँ, मैंने देखा किस तरह बच्चों को अच्छे कपड़े पहना, साफ सुथरा कर उन्हें अपने कला व हुनर का प्रदर्शन करने व स्टेज पर स्थान दिया जाता है वो अपने गाने, कविताएँ, नृत्य जो भी उन्हें आता है उसे प्रदर्शित करते है। सही मायने में उनके मनोबल को बढ़ाकर उन्हें समाज से जुड़ने तथा अपना स्थान बनाने व पढ़ाई की और इच्छा बढ़ाने का ये बहुत ही अच्छा प्रयास है ।

शुभकामनाओं के साथ ।

अंजु चौधरी, उपाध्यक्ष
राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश

श्रीमती इंदु प्रभा सिंह
पुलिस अधीक्षक अपराध, गोरखपुर

जनपद गोरखपुर में कार्यरत सेफ सोसाइटी द्वारा लावारिस बच्चों, जो रेलवे स्टेशन या फुटपाथ पर अक्सर पाए जाते हैं के संबंध में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इनके द्वारा ऐसे बच्चों को पढ़ाने तथा उन्हें सोशल मेनस्ट्रीम का हिस्सा बनाने की दिशा में जो प्रयास किया जा रहा है वह सराहनीय है। मैं इनके प्रयास की प्रशंसा करती हूं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं।

बाल कल्याण समिति की तरफ से सेफ सोसाइटी की चाइल्ड राइट्स टीम को हार्दिक शुभकामनाएं

सेफ सोसाइटी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से पिछले अनेक वर्षों से बाल अधिकार एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की है। संस्था कठिन परिस्थितियों में रहने वाले वंचित समुदाय के साथ कार्य करती है, जो झुग्गी झोपड़ी और अन्य स्थानों पर आवास और संसाधनों के अभाव में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। संस्था अन्त्योदय एवं बाल गुरुकुल के द्वारा वंचित एवं पिछड़े समाज के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा से जोड़ रही है तथा कला आधारित प्रक्रिया के द्वारा मानसिक सदमे को दूर कर रही है और उनके जीवन में विभिन्न गतिविधियों के द्वारा बदलाव ला रही है। संस्था द्वारा एक सेफ्टी नेट बनाया गया है जिसमें अपने घर से भटके एवं बिछड़े हुए बच्चों को स्टेशन पर रह रहे स्टेक होल्डर्स के द्वारा संबंधित सरकारी विभागों के साथ मिलकर उनके परिवारों से पुनः एकीकरण करके उन्हें सुरक्षा प्रदान किया जा रहा है। इनके इस नेक कार्य की बाल कल्याण समिति सराहना करती है और संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

वन्दना सिंह — अध्यक्ष
जे.पी. आर्य — सदस्य
ऊषा विश्वकर्मा — सदस्य
अरूण कुमार राय — सदस्य
राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा — सदस्य

डा0 सत्या पाण्डेय
पूर्व मेयर

सेफ सोसाइटी एक सामाजिक संस्था है जो मलिन बस्तियों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षा व संस्कार देने का काम करती है। यह संस्था राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है जो बहुत ही सराहनीय है। मुझे कई अवसर पर सेफ सोसाइटी के आमंत्रण पर बच्चों से मिलने का मौका मिला। उनके जीवन में आये हुए बदलाव को देखकर मुझे बहुत ही प्रसन्नता हुई। मैं सेफ सोसाइटी की समस्त टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ समस्त सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

डा० अनुभूती दूबे
(मनोविज्ञान) विभागाध्यक्ष
दी.द.उ.गो.वि.वि.,गोरखपुर

अत्यंत हर्ष का विषय है कि गैर सरकारी सामाजिक संस्था सेफ सोसाइटी विगत कई वर्षों से लगातार बाल अधिकार एवं संरक्षण तथा कठिन परिस्थितियों में रहने वाले मलिन बस्तियों के भविष्य के निर्माण में संस्कार देने का कार्य बहुत ही कुशलता पूर्वक कर रही है। संस्था द्वारा बनाया गया सेफ्टी नेट के अंतर्गत घर–परिवार से भटके एवं बिछड़े हुए बच्चों को स्टेशन पर रह रहे स्टेक होल्डर्स के द्वारा संबंधित विभागों के साथ मिलकर उनके परिवार से मिलना तथा कला आधारित प्रक्रिया के द्वारा मानसिक सदमा को दूर कर उनके जीवन में विभिन्न गतिविधियों द्वारा बदलाव करना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं सेफ सोसाइटी द्वारा किये जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों की सराहना करती हूँ तथा संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

शुभकामनाएं सहित

DIVYA RANI SINGH
HOD (Home Science Department)
DeenDayal Upadhyay
Gorakhpur University

Dear Safe Society,

It is my proud privilege to be associated with the work of Safe Society as an individual and as an organization i.e. Department of Home Science, DDUGU. The core values and the principles of the society which touch human lives are really remarkable. The planned work structure and strong organogram bonds well with our values and together we try to inculcate empathy and capacity building among the marginalized. The avenues in which our children work with Safe Society renders them with a practical approach in field situations. They get embedded with much courage and determination to work for human cause for a better tomorrow.

Being associated with different outreach activities and programs has helped me to build up a strong association with their work and has also given me the opportunity for serving street children. I Wish the society all the very best in all their endeavors and look forward to many more associations.

Best Wishes and Regards

रेडिसन ब्लू परिवार की तरफ से सेफ सोसाइटी की चाइल्ड राइट्स टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

सेफ सोसाइटी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से पिछले अनेक वर्षो से बाल अधिकार एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की है। संस्था कठिन परिस्थितियों में रहने वाले वंचित समुदाय के साथ कार्य करती है, जो झुग्गी झोपड़ी और अन्य स्थानों पर आवास और संसाधनों के अभाव में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। संस्था अन्त्योदय एवं बाल गुरुकुल के द्वारा वंचित एवं पिछड़े समाज के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा से जोड़ रही है तथा आर्ट बेस्ड प्रक्रिया के द्वारा मानसिक आघात को दूर कर रही है और उनके जीवन में विभिन्न गतिविधियों के द्वारा बदलाव ला रही है। संस्था द्वारा एक सेफ्टीनेट बनाया गया है जिसमें अपने घर से भटके एवं बिछड़े हुए बच्चों को स्टेशन पर रह रहे स्टेक होल्डर्स के द्वारा संबंधित सरकारी विभागों के साथ मिलकर उनके परिवारों से पुनः एकीकरण करके उन्हें सुरक्षा प्रदान किया जा रहा है। इनके इस नेक कार्य के लिए रेडिसन ब्लू परिवार गोरखपुर संस्था की सराहना करता है और संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

अभिषेक कुमार सिंह
होटल प्रबंधक

रणजीत सिंह चौहान
निदेशक सेल्स एंड मार्केटिंग

आलोक सिंह
मानव संसाधन प्रबंधक

This letter is to certify that "Safe Society" is a well-known NGO in Gorakhpur. I am glad to know this NGO at personal level.I have had the opportunity of watching this NGO develop to a greater extent. This is one of the best working for poor and needy children, teaching them and providing them values. The children here are very talented and well groomed on physical and mental both the level.

I Congratulate "Safe Society for their exceptional work and their spirit of execution of any job is commendable. This NGO is well renowned and have an extensive media reach as well. I wish all the very best. May God shower his blessings upon them and they get more strength for all their future work.

SUPRIYA DIWEDI
Managing Director, Rangrezza
Restaurant and Banquet Hall

इंटनर्स

प्रज्ञा चंद

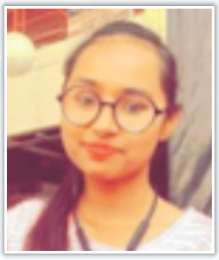
अदिति पांडे

श्रेया त्रिपाठी

अंशिका चौधरी

रमशा खान

अनुष्का शाही

मृदुलता गौरव

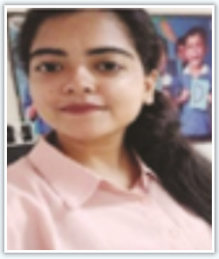
साक्षी शर्मा

सौम्या पांडे

पल्लवी सिंह

सम्बृद्धि श्रीवास्तवा

ब्युटी गुप्ता

सेफ चाइल्ड राइट्स प्रोजेक्ट टीम

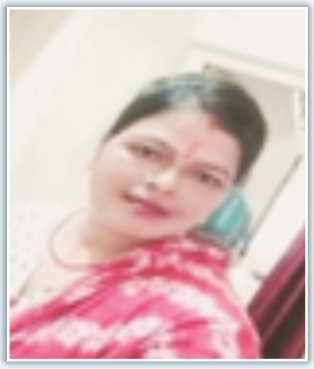
शर्मिला गुप्ता
(सीनियर एसोसीएट)

अर्पिता यादव
(प्रोजेक्ट एसोसिएट)

लक्ष्मी जायसवाल
(प्रोजेक्ट एसोसिएट)

सरिता
(चाइल्ड सपोर्ट मेम्बर)

अर्चना
(चाइल्ड सपोर्ट मेम्बर)

रीना
(चाइल्ड सपोर्ट मेम्बर)

पल्लवी
(चाइल्ड सपोर्ट मेम्बर)

ज्योति
(चाइल्ड सपोर्ट मेम्बर)

सेफ चाइल्ड राइट्स प्रोजेक्ट टीम

विश्व वैभव शर्मा
(निदेशक)

ब्रजेश चतुर्वेदी
(प्रोग्राम मैनेजर)

मनोज कुमार श्रीवास्तव
(सीनियर एसोसीएट)

दिलीप कुमार द्विवेदी
(वित्त प्रबंधक)

ज्ञानेश्वर प्रसाद जायसवाल
(मानव संसाधन प्रबंधक)

शिप्रा मिश्रा
(प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर)

सुमित दुबे
(प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर)

दृष्टीकोण:

हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते है, जहां किसी के सामाजिक और आर्थिक मूल की पहचान किए बिना, संसाधन की पहुच से दूर समुदाय के लोगों के लिए पर्याप्त रास्ते सुलभ हों, उन्हे सामान्य निवासियों के रूप मे पहचाना जाए।

लक्ष्य :

सेफ सोसाइटी का मिशन समुदायों के बीच जागरुकता विकसित करना है, ताकि उन्हे सशक्त बनाया जा सके और उनके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करने वाले सभी कारकों पर नियंत्रण पाने मे उनकी मदद की जा सके।

धन्यवाद!

सेफ सोसाइटी को यूनाइटेड नेशन के आर्थिक और सामाजिक परिषद से विशेष सलाहकार का दर्जा दिया गया है, और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए वैश्विक साझेदारी की सदस्य है। संस्थान शार्क देशों के आपसी सहमति से बने एक मात्र सरकार द्वारा समर्पित संगठन NACG-EVAC की उत्तर प्रदेश की अग्रणी संस्था है इस फोरम में कुल 500 से अधिक संगठन व बुद्धिजीवी सदस्य है।

सम्पर्क :
सेफ सोसाइटी, मानस विहार कालोनी, निकट शारदा पैलेस,
संगम चौराहा पादरी बाजार, गोरखपुर– 273014
उत्तरप्रदेश
Email Id safesociety1@gmail.com
Website www.safesociety.in